MPA

एम.ए. (लोक प्रशासन)
एम.पी.ए.

जुलाई 2012 और जनवरी 2013 सत्र के सत्रीय कार्य

(एम.ए. प्रथम वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए)

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110 068

एम.ए. प्रथम वर्ष (लोक प्रशासन)

प्रिय छात्र/छात्राओ,

कार्यक्रम की आवश्यकता के अनुसार, प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए आपको एक-एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए) करना होगा।

सत्रीय कार्यों को हल करने से पहले कृपया अलग से भेजी गई कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानी से पढ़ लें। यह महत्वपूर्ण है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द-सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को अपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। अगर संभव हो तो सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस पर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजना होता है।

प्रस्तुतीकरण :

टिप्पणीः एम.ए. प्रथम वर्ष में उपलब्ध सभी चारों पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल हैं। आपसे अनुरोध है कि आप सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा करा दें ताकि आप सत्रांत परीक्षा दे सकें।

सत्रीय कार्य संख्या	*प्रस्तुति की तिथि*	*किसे भेजें*
एम.पी.ए-011, एम.पी.ए-012, एम.पी.ए-013 और एम.पी.ए-014 का सत्रीय कार्य (टी.एम.ए)	जुलाई 2012 सत्र के लिए 31 मार्च 2013 जनवरी 2013 सत्र के लिए 30 सितंबर 2013	अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में बताई गई हर प्रकार की श्रेणी के लिए दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें :

1) ***योजना*** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। जिन इकाइयों पर सत्रीय कार्य आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) ***संगठन*** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह देख लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो

   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और

   ग) भाव, शैली और प्रस्तुति का पर्याप्त ध्यान रखते हुए सही-सही उत्तर लिखें।

3) ***प्रस्तुतिकरण*** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। ***उत्तर साफ-साफ हस्तलिपि में लिखें।*** जिन बिंदुओं पर आप ज़ोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. ई.वायुनंदन
और
प्रो. अलका धमेजा
कार्यक्रम संयोजक
एम.ए. (लोक प्रशासन)

एम.पी.ए-011 : राज्य, समाज और लोक प्रशासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-011
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-011/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2012-13

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है। भाग-I इकाई संख्या 1-10 पर आधारित है और भाग-II इकाई संख्या 11-21 पर आधारित।

भाग-I

1. समाज-प्रशासन संबंध के बारे में एफ.डब्ल्यू.रिग्स के विचारों का विश्लेषण कीजिए।
2. "उदारवारी और मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्यों के संदर्भ में राज्य की भूमिका की जाँच की जरूरत है।" चर्चा कीजिए।
3. राज्य के बारे में नव-उदारवादी परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिए।
4. "सामाजिक सहभागिता का स्वरूप हमेशा बदलता रहता है।" व्याख्या कीजिए।
5. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 200-200 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10
   (क) "हिंद स्वराज" की अवधारणा
   (ख) नागरिक घोषणा-पत्र (Citizen's Charter)

भाग-II

6. नीति निरीक्षण और विश्लेषण में नौकरशाही की भूमिका का विवेचन कीजिए।
7. सुशासन के स्वरूप और विशेषताओं पर एक टिप्पणी लिखिए।
8. नैतिकता के महत्व (foci) और बाधाओं (loci) को रेखांकित करते हुए नीतिशास्त्र के अर्थ की व्याख्या कीजिए।
9. "शासन की चुनौतियों का समाधान नागरिक समाज आंदोलनों में निहित है।" चर्चा कीजिए।
10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर कम से कम 200-200 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 2x10
    (क) नव लोक प्रशासन प्रबंधन की अवधारणा
    (ख) व्यावसायिक प्रक्रिया अभियांत्रिकीकरण (बिजनेस प्रोसेस इंजीनियरिंग)

एम.पी.ए-012 : प्रशासनिक सिद्धांत
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-012
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-012/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2012-13

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. "उदारीकरण, निजीकरण और भूमंडलीकरण के युग में लोक प्रशासन ने नई भूमिका प्राप्त कर ली है।" चर्चा कीजिए।

2. "मैक्स वेबर ने नौकरशाही की विशेषताओं की व्याख्या की और प्राधिकार को तीन आदर्श प्रकारों में वर्गीकृत किया है।" चर्चा कीजिए।

3. प्रशासनिक सिद्धांत के उद्‌भव और विकास की चर्चा कीजिए।

4. एल्टॉन मायो द्वारा हॉथोर्न संयंत्र में किए गए प्रयोगों की चर्चा कीजिए।

5. मानव व्यक्तित्व के बारे में क्रिस अर्गिरिस (Chris Argyris) के विचारों और संगठन की कार्य-प्रणाली पर उसके प्रभावों की चर्चा कीजिए।

भाग-II

6. "आवश्यकता सिद्धांत के पदानुक्रम" के बारे में अब्राहम मैस्लो के विचार का विवेचन कीजिए।
7. अधिगम संगठन के परिचालन की चर्चा कीजिए।
8. संगठनात्मक संस्कृति क्या है? संगठनात्मक संस्कृति के विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए।

9. लोक चयन से आप क्या समझते हैं और इसकी स्वरूपगत विशेषताएँ क्या हैं?

10. लोक प्रशासन के नए सार्वजनिक प्रबंधन परिप्रेक्ष्य की व्याख्या कीजिए।

एम.पी.ए-013 : सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-013
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-013/ए.एस.टी/टी.एम.ए/2012-13

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली किन्हीं चार सांविधानिक प्राधिकरणों की चर्चा कीजिए।
2. कुछ केस अध्ययनों के माध्यम से सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में नई प्रौद्योगिकियों की भूमिका की व्याख्या कीजिए।
3. शासन (governance) में नौकरशाही और राजनीतिक कार्यपालिका के बीच संबंधों के बदलते स्वरूप का विश्लेषण कीजिए।
4. भारत में न्यायिक सक्रियतावाद के अनुप्रयोग का अर्थ, स्वरूप और क्षेत्रों पर एक टिप्पणी लिखिए।
5. भारत जैसे संघीय ढाँचे वाले देशों में अंतःसरकारी संबंधों के महत्वपूर्ण आयामों पर प्रकाश डालिए।

भाग-II

6. सामरिक प्रबंधन को परिभाषित कीजिए और इसकी प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए।
7. परियोजना प्रबंधन की अवधारणा और जीवन चक्र का विश्लेषण कीजिए।
8. महत्वपूर्ण सामूहिक निर्णय तकनीकों की चर्चा कीजिए।
9. सार्वजनिक प्रणाली प्रबंधन में अनुक्रियाशीलता के लिए महत्वपूर्ण तत्वों का वर्णन कीजिए।
10. महिलाओं के सशक्तिकरण के मुद्दे और कार्यनीतियों का विवेचन कीजिए।

एम.पी.ए-014 : मानव संसाधन प्रबंधन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एम.पी.ए-014
सत्रीय कार्य कोडः एम.पी.ए-011/ए.एस.टी.(टी.एम.ए-1)/2012-13

पूर्णांकः 100

इस सत्रीय कार्य में भाग-I और भाग-II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग से 500-500 शब्दों के कम से कम दो-दो प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग-I

1. सामरिक मानव संसाधन प्रबंध (एस.एच.आर.एम). के कार्य-क्षेत्र और निहित अर्थों की चर्चा कीजिए।
2. मानव संसाधन नियोजन के लाभों और कमियों की चर्चा कीजिए।
3. "प्रतिभा का कई तरीकों से पता लगाया जा सकता है।" चर्चा कीजिए।
4. उद्देश्यों पर आधारित प्रबंधन (Management by Objectives) पर एक टिप्पणी लिखिए।
5. "मानव संसाधन विकसित करने में प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।" "कार्य के अन्यथा समय में प्रशिक्षण" विधि पर केंद्रित करते हुए चर्चा कीजिए।

भाग-II

6. समग्र गुणवत्ता प्रबंधन (Total Quality Management) को परिभाषित कीजिए और परंपरागत प्रबंधन से इसका अंतर स्पष्ट कीजिए।
7. स्वास्थ्य और सुरक्षा को परिभाषित कीजिए और कंप्यूटर संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के तरीके सुझाइए।
8. भारत में प्रबंधन में कार्यकर्ताओं की भागीदारी के लिए विभिन्न संस्थानिक प्रबंधों की चर्चा कीजिए।
9. अनुशासन संबंधी न्यायिक दृष्टिकोण पर एक टिप्पणी लिखिए।
10. तनाव को परिभाषित कीजिए और वर्तमान समय में तनाव के प्रबंधन में प्राचीन भारतीय दृष्टिकोणों के महत्व की चर्चा कीजिए।